एसआरयू वर्ल्ड

मासिक समाचार पत्रिका

वर्ष -2 | अंक - 15 | माह - मार्च 2024

एसआरयू में सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भारत में सालाना 3.4 लाख से अधिक महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित है... डॉ. राजेश अग्रवाल

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका विषय "सर्वाइकल कैंसर का शीघ्र पता लगाना सर्वोत्तम सुरक्षा" था। कैंसर के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य महिला स्टाफ सदस्यों और छात्रों को सर्वाइकल कैंसर के बारे में गहन जानकारी प्रदान करने के लिए कैंसर के मूल कारण, लक्षण, सावधानियां और उपचार प्रदान करना था। आज विषय के मुख्य वक्ता डॉ. राजेश कुमार अग्रवाल (एम.डी. पैथोलॉजी) और डॉ. शालिनी जैन अग्रवाल (एमडी-ओबीजीवाई, एफआईसीओजी, एफएमएएस, एसीएलएस) ने टीकाकरण, स्क्रीनिंग और कारणों सहित सर्वाइकल कैंसर के महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा किया । कार्यक्रम में डॉ. राजेश अग्रवाल ने सर्वाइकल कैंसर के बारे में बताते हुए कहा कि भारत में 3.4 लाख से अधिक महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर पाया जाता है और रिपोर्ट के अनुसार यह वैश्विक स्तर पर महिलाओं में होने वाला चौथा सबसे आम कैंसर है और इसके बढ़ने का मुख्य कारण है। इन मामलों में बुनियादी जागरूकता की कमी थी और उन्होंने ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) के बारे में जानकारी साझा की, जो सर्वाइकल कैंसर का आवश्यक कारण है और यह वायरस मुख्य रूप से तंबाकू धूम्रपान, विकिरण और यौन संपर्कों को प्रसारित करता है। डॉ. राजेश ने एचपीवी टीकाकरण, निदान के कवरेज, कैंसर-पूर्व घावों की जांच और उपचार और उपशामक देखभाल के कवरेज को

बढ़ाकर एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में सर्वाइकल कैंसर के उन्मूलन की दिशा में रणनीतियों को भी साझा किया। डॉ. शालिनी जैन अग्रवाल ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा पर शुरू होता है, जो गर्भाशय का मुंह है और ज्यादातर समय, एचपीवी संक्रमण उपचार के बिना गायब हो जाता है; हालाँकि, कभी-कभी एचपीवी वर्षों तक कोशिकाओं में रहता है और, कुछ महिलाओं में, अंततः गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का कारण बनता है। पहले संभोग के दौरान 20-24 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कैंसर के लक्षणों को साझा करते हुए कहा कि जैसे संभोग के बाद योनि में दाग और रक्तस्राव, दुर्गंधयुक्त स्राव कैंसर के मुख्या लक्षण है और इसके उपचार के लिए सर्जरी, विकिरण और कीमोथेरेपी मानव शरीर से बीमारी को कम करने और खत्म करने का सबसे अच्छा समाधान है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के.सिंह, चीफ पीआरओ राजेश तिवारी और उप रजिस्ट्रार एम.के. सिंह जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे और मुख्य पीआरओ ने यह भी प्रस्ताव दिया कि विश्वविद्यालय हमारे छात्रों और महिला कर्मचारियों को कैंसर की मुफ्त जांच करने और रोकथाम के लिए विशेष टीका लगाने के लिए मंच प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय ने पुरुषों के लिए जिलेट गार्ड द्वारा प्रायोजित सौंदर्य और मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला का सफलतापूर्वक किया आयोजन

पिछले महीने फ़रवरी में आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य आज की तेजी से भागती दुनिया में समग्र आत्म-देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए, संवारने की आदतों और मानसिक कल्याण के बीच महत्वपूर्ण संबंध को उजागर करना था।

उपस्थित लोगों को सौंदर्य, मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास में सम्मानित विशेषज्ञों के नेतृत्व में समृद्ध सत्रों में शामिल होने का अवसर मिला। जानकारीपूर्ण बातचीत, व्यावहारिक प्रदर्शन और इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से, प्रतिभागियों ने सौंदर्य प्रथाओं और मानसिक स्वास्थ्य के बीच संबंधों को समझने, सौंदर्य के माध्यम से आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ाने की तकनीकों, रोजमर्रा की जिंदगी के लिए व्यावहारिक सौंदर्य युक्तियाँ और प्रबंधन के लिए रणनीतियों के बीच मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त कर तनाव और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देना।

ग्रूमिंग और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सम्मानित विशेषज्ञ, श्री धर्मेंद्र तिवारी ने कार्यशाला का नेतृत्व किया, अपनी विशेषज्ञता साझा की और उपस्थित लोगों को आत्म-सुधार और सशक्तिकरण के मार्ग पर मार्गदर्शन किया और एसआरयू परिवार उनके उदार प्रायोजन के लिए जिलेट गार्ड फॉर पुरुषों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है, जिसने इसे बनाया। यह प्रभावशाली पहल संभव. उनके समर्थन ने छात्रों और व्यापक समुदाय को मूल्यवान संसाधन और अंतर्दृष्टि प्रदान करने में सक्षम बनाया।

कार्यशाला को प्रतिभागियों से उत्साह और सराहना मिली, जिन्होंने एक सहायक और समावेशी वातावरण में अपने मानसिक और शारीरिक कल्याण को प्राथमिकता देने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया।

एसआरयू परिसर में 'ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना' विषय पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विज्ञान संकाय द्वारा भाषण प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनानाह विषय पर आधारित अपने विचार व्यक्त किये । भाषण प्रतियोगिता में 50 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिसमें से प्रथम स्थान साहिल कुमार प्रजापति (एमएससी भौतिकी) ने प्राप्त किया, जबकि दूसरा स्थान जैस्मीन परवीन (बीएससी माइक्रोबायोलॉजी) ने प्राप्त किया और अंतर्राष्ट्रीय छात्र बोनिता बायो और शिवांग गुप्ता भी विज्ञान विभाग से तीसरा स्थान प्राप्त किया । इसी थीम पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता में ऑप्टोमेट्री विभाग की छात्रा सल्तनत, मुस्कान बजाज और निधि रात्रे ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में छात्र ग्रामीण महिलाओं के जीवन की रचनात्मकता और परिवार की आर्थिक स्थिति को संतुलित करने के लिए व्यक्तिगत और व्यावसायिक कार्यों के प्रबंधन और समाज में उनके योगदान को दर्शाया। दोनों प्रतियोगिताओं में अन्य देशों के छात्र भी हमारे देश के साथ-साथ अन्य देशों में ग्रामीण महिलाओं के समानांतर मुद्दों, अवसरों और चुनौतियों की तुलना करके अपनी धारणा और दृष्टिकोण साझा करते हैं। विज्ञान संकाय की डीन डॉ. अनुभूति कोसले ने प्रतियोगिता के विजेताओं को सुविधा प्रदान की। एसआरयू परिवार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों की सभी महिलाओं के महत्व के आधार पर विज्ञान संकाय द्वारा किए गए कार्यों की सराहना कर उत्साहवर्धन किया ।

स्कूल ऑफ लॉ ने ग्राम बेंद्री में कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया

समाज की भलाई और युवा पीढ़ी के कल्याण के लिए बाल विवाह, नशाखोरी, दहेज निषेध, शिक्षा का अधिकार, बाल श्रम और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से श्री रावतपुरा यूनिवर्सिटी से लॉ स्कूल के छात्रों द्वारा शिविर का आयोजन किया गया था। छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल विवाह और दहेज निषेध पर सन्देश देते हुए लड़कियों के अधिकारों, दहेज से संबंधित कानूनों के मूल्य को समझाने की कोसिस किया ।एवं बाल श्रम और बच्चों विषय पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर संदेश दिया ताकि वे 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के शैक्षिक अधिकार, बच्चों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग से रोकना और बाल विवाह, दहेज और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ अधिनियमों और दिशानिर्देशों के बारे में जागरूक किया गया। तत्पश्चात ग्राम स्कूल के शिक्षक ने छात्रों को संबोधित किया और नाटकों में प्रदर्शित संदेश की पुष्टि की। स्कूल प्रबंधन ने बाल विवाह, दहेज के खिलाफ अधिकार, शिक्षा का अधिकार और बाल श्रम से मुक्ति और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ कानूनों के बारे में जागरूकता फैलाने और फैलाने के लिए स्कूल ऑफ लॉ, श्री रावतपुरा विश्वविद्यालय के छात्रों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

छात्रों ने ग्रामीणों के सामने आने वाले किसी भी कानूनी मुद्दे, छात्रों और संबंधित अधिकारियों से परामर्श और कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए एक सर्वेक्षण भी किया। कार्यक्रम का समापन अधिकारियों, स्कूल प्रशासन और गांव बेंद्री के सरकारी स्कूल और स्कूल ऑफ लॉ के छात्रों को धन्यवाद देकर किया गया, श्री रावतपुरा विश्वविद्यालय ने समाज कल्याण और विकास के लिए अवसर प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय के प्रबंधन को विशेष धन्यवाद दिया।

विश्विद्यालय में शिक्षा विभाग कार्यक्रम द्वारा आगाज कार्यक्रम किया गया आयोजित...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय परिसर शिक्षा विभाग के 2022 – 2024 सत्र के छात्रों के लिए बिदाई और 2024-2026 सत्र के आगामी विद्यार्थियों का एकसाथ परिचय कर जूनियर्स ने अपने सीनियर्स को अलविदा कर ₹आगाज₹ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में शिक्षा वभाग की गोल्ड मेडलिस्ट अंजलि लहरे को मंचासीन अतिथियों द्वारा समान्नित भी किया गया कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ .सौरभ कुमार शर्मा ने छात्रों से कहा कि, 'आप अपने जीवन के अगले पड़ाव पर जा रहे है जिसमें आपको कड़ी मेहनत करनी है और अपने भविष्य के साथ सभी भविष्य के विद्यार्थियों का भविष्य भी आपको उज्ज्वल बनाना है।' कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, ₹उज्ज्वल भविष्य के लिए आप सभी को लगातार प्रयास करना होगा। आप सब एक मात्र ऐसे विभाग के विद्यार्थी है. जिन्हें "शिक्षक विद्यार्थी "से संबोधित किया जाता है अर्थात आप शिक्षा प्राप्त करने के साथ- साथ शिक्षा प्रदान करने के लिए भी शिक्षित हो रहे हैं। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा नृत्य, संगीत एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया सभी छात्रों ने विश्विद्यालय के शिक्षक एवं अन्य साथियों के साथ सेल्फी और ग्रुप फोटोज लेकर कार्यक्रम के सभी पलों को यादगार बनाया साथ ही अंतिम सत्र के छात्रों के लिए यह पल आँखे नम करने वाला रहा। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के प्रधानाचार्य प्रो. अभिषेक श्रीवास्तव और डीन अकादेमिच्स प्रो. आर. आर. एल बिराली एवं अन्य सभी शिक्षक उपस्थित थे।

एसआरयू में छात्रों ने विश्व ऑप्टोमेट्री दिवस मनाया

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के स्टाफ और छात्रों ने 22 मार्च को विश्व ऑप्टोमेट्री दिवस मनाया, जिसमें विज्ञान संकाय के अन्य छात्रों सहित स्वास्थ्य और व्यावहारिक विज्ञान विभाग के 200 से अधिक छात्रों ने ऑप्टोमेट्री के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए साथ आए। डॉ. सोनल व्यास, एमएमआई अस्पताल, रायपुर की नेत्र रोग विशेषज्ञ ने अपने संबोधन में छात्रों को अपने कौशल को लगातार उन्नत करने और रोगियों को अधिकतम देखभाल और संवेदनशीलता के साथ संभालने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। पोस्टर मेकिंग में दिखाई गई उनकी रचनात्मकता के लिए डॉ. सोनल द्वारा छात्रों की सराहना भी की गई। इसके साथ ही नेत्र जांच शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ ने निःशुल्क नेत्र जांच हेतु भाग लिया। छात्रों ने लेंसकार्ट टीम द्वारा आयोजित विभिन्न रोमांचक गेम क्विज़ में भाग लिया, जिसमें ऑप्टोमेट्री विभाग के छात्रों ने विभिन्न पुरस्कार जीते। समारोह में विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो.एस.के.सिंह और डीन विज्ञान संकाय डॉ. अनुभूति कोशले भी उपस्थित थे और ऑप्टोमेट्री के क्षेत्र में बेहतरीन काम करने के लिए छात्रों को शुभकामनाएं साझा कर प्रेरित किया ।कार्यक्रम का संचालन दीपाली साहू और आकांक्षा चौधरी ने किया।

विधि विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री अभिषेक मिश्रा भारतीय भाषा सम्मेलन 2024 में हुए आमंत्रित

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली एवम् भारतीय भाषा मंच के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ₹भारतीय भाषा सम्मेलन₹ 2024 का आयोजन किया गया जिसमें श्री रावतपुरा सरकार विश्विद्यालय के विधि विभाग से सहायक प्रोफेसर श्री अभिषेक मिश्रा को विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के द्वारा यह सम्मेलन छत्तीसगढ़ प्रांत का प्रतिनिधित्व करने वाला सम्मेलन था सम्मेलन का उद्देश्य हमारी मातृभाषा एवं संस्कृति को सुरक्षित ,संरक्षित एवं पोषित करने के लिए था जिसमें श्री अभिषेक मिश्रा ने अपने वक्तव्य में बताया कि विधि विषय में हिंदी भाषा को प्राथमिकता देने की बात कही एवं सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट की भाषा अंग्रेजी के अलावा हिंदी को भी प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने बताया कि कई बार ऐसा होता है कि प्रतिभाशाली छात्र जिनके ज्ञान का लाभ भाषा के कारण समाज को नहीं मिल पाता है जिससे ऐसे छात्र हतो उत्साहित होते हैं हालाकि कई सरकारों ने इसमें आगे आकर पहल की है जैसे की मध्य प्रदेश सरकार ने एमबीबीएस एवं एमडी की पढ़ाई में हिंदी माध्यम के छात्रों को भी स्थान दिया है अब वह हिंदी में अपना पेपर लिख सकते हैं एवं आपकी प्रतिभा को दिखा सकते हैं साथ ही साथ हाई कोर्ट के निर्णय भी हिन्दी में पक्षकार को उपलब्ध कराने की भी पहल की है क्योंकि भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है ना की किसी के ज्ञान को परखने का मानक इस प्रकार के आयोजन पूरे देश में हर राज्य के केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किए गए।

श्री रावतपुरा विवि में पूज्या साध्वी ने विद्यार्थियों और कर्मचारियों को दिए सफलता के मंत्र

अनंत विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज आध्यत्मिक से आधुनिक दुनिया के लिए उद्धरण है - पूज्या हेमलता शास्त्री जी

आज के समय में आसान कुछ नहीं है। हर कदम पर चुनौती है। कुछ भी पाने के लिए संघर्ष करना ही पड़ता है। तभी सफलता मिलती है। हमें सफलता के लिए नए रास्ते बनाने होंगे और उसपर बेदाग चलने का प्रयास करना होगा। अपनी क्षमता और योग्यता के अनुरूप प्रयास करना जरूरी है। आपका जितना बड़ा लक्ष्य होगा उसके अनुसार आपकी क्षमता भी बन जाएगी। उक्त विचार अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा वाचिका साध्वी पूज्या हेमलता शास्त्री ने व्यक्त किए। वे गुरूवार को श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर के प्रेक्षागृह में विद्यार्थियों को संबोधित किया। विद्यार्थियों को मार्गदर्शित करते हुए पूज्या साध्वी हेमलता जी ने आत्मसंबोधन करते हुए कहा कि हम सब कुछ सीखने, बनने और पाने के लिए इस धरा पर आए हैं। इसके लिए निरंतर कोशिश करते रहना जरूरी है। हम सब अपने को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करें। हम सभी को दुनिया को बनाने से पहले अपने को जोड़ने व बनाने का प्रयास करना चाहिए। साध्वी जी ने कहा कि जीवन में हमेशा जीत होगी ऐसा जरूरी नहीं है लेकिन हार को जीत बना लेने वाला ही विजेता कहलाता है। जब हम अपने मन को मीत बना लेंगे तभी जीत हासिल करेंगे। साध्वी जी ने कहा कि आप स्वयं अपना सर्वोत्तम मित्र हो सकते हैं। इसलिए अपने से दोस्ती करना सीखिए। अपने को प्रोत्साहित करने का प्रयास कीजिए। ईश्वर के साथ अपने आप पर भी विश्वास करें। ईश्वर उर्जा देते हैं पर मेहनत खुद करने होंगे। धरती पर कोई विशेष पैदा नहीं होता बल्कि लोग अपने कर्मों से विशेष बनते हैं। जब हम अपने हृदय में अपनापन लेकर कहीं जाते हैं तो वहां सब अपना लगने लगता है। साध्वी जी ने कहा कि कोई देश ऊँचे महलों, भाषण, नारों ने महान नहीं होता बल्कि वहां के ऊँचे विचार-आचार उस देश को महान बनाता है। हमारा देश बुद्धि, ज्ञान और काबिलियत के बल पर ही विश्व गुरू का स्थान रखता है। साध्वी ने मातृ शक्ति छात्राओं से कहा कि उन्हें बात-बात पर रोने और अपने को कोसने से बचना चाहिए। साध्वी जी ने कहा कि ज्ञान अर्जन छोटा कार्य नहीं है। इसके लिए सबसे पहले हमें ईमानदार होना चाहिए। हम सभी को खुद के अलावा देश और सनातन को कामयाब बनाने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन और आभार व्यक्त करते हुए कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने कहा कि साध्वी जी के उद्बोधन से हम सबने न केवल धर्म के मर्म को जाना बल्कि अर्थ से अनर्थ होने की गलती से बचने का मार्गदर्शन भी पाया। इस अवसर पर विवि के कुलपति डॉ. एसके सिंह सहित विश्वविद्यालयीन स्टॉफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर के समाज विज्ञान संकाय एवं कला संकाय द्वारा किया गया सिरपुर (पुरातात्विक स्थल) शैक्षणिक भ्रमण...

सिरपुर महानदी के तट पर स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। जिसका उल्लेख 5वीं से 8वीं शताब्दी ईस्वी के पुरालेख और अभिलेखों वर्णित है। यह शहर कभी दक्षिण कोसल राज्य के शरभपुरिया और सोमवंशीय राजाओं की राजधानी हुआ करता था। 5वीं और 12वीं शताब्दी ईस्वी के बीच दक्षिण कोसल साम्राज्य की महत्वपूर्ण 'हिंदू', 'बौद्ध' और 'जैन' बस्ती हुआ करती थी। 7वीं शताब्दी के चीनी बौद्ध तीर्थयात्री ह्वेन त्सांग ने इसका दौरा किया था। और हाल की खुदाई में यहाँ 12 बौद्ध विहार, 1 जैन विहार, बुद्ध और महावीर की मूर्तियाँ, 22 शिव मंदिर और 5 विष्णु मंदिर, भूमिगत अन्न भंडार बाजार और छठी शताब्दी का स्नान घर मिला है। सिरपुर जो प्राचीन भारतीय सभ्यताओं के अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है। यहां की खुदाई ने भारतीय इतिहास, संस्कृति, और ऐतिहासिक धरोहर को समझने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर के समाज विज्ञान संकाय द्वारा(16 मार्च, 2024) आयोजित शैक्षणिक भ्रमण में छात्रों द्वारा सिरपुर के प्रमुख स्थलों जैसे कि स्थानीय संग्रहालय, पुरातात्विक स्थल, और वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों का दौरा किया। यह यात्रा विश्वविद्यालय के छात्रों को न केवल सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के महत्वपूर्ण थी, बल्कि उन्हें विज्ञान और प्रौद्योगिकी की दुनिया के भीतर भी देखने का मौका दिया। सिरपुर शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के लिए महत्वपूर्ण अनुभव ज्ञान रहा जो विद्यार्थियों को न केवल नये ज्ञान के साथ परिपूर्ण करता है बल्कि उनके विचारों और दृष्टिकोण को भी विस्तारित करने के लिए प्रेरित करता है। इस शैक्षणिक भ्रमण में समाज विज्ञान संकाय के सभी विषयों के छात्र-छात्राओं के साथ समाज विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ. अवधेश्वरी भगत,(इतिहास विभाग), डॉ. सुनीता सोनवानी (भूगोल विभाग), डॉ. नरेश गौतम (समाज कार्य विभाग), डॉ. मनीष पांडे (राजनीति विभाग), अरशद हुसैन(जिम ट्रेनर),श्री योगमय प्रधान (राजनीति विभाग) डॉ. अंजलि यादव(समाजशास्त्र विभाग) शामिल रहे।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर के विज्ञान संकाय द्वारा वचन दुग्ध उद्योग का किया गया औद्योगिक भ्रमण...

विज्ञान संकाय द्वारा औद्योगिक भ्रमण का आयोजन 18 मार्च 2024 खरोरा स्थित वचन डेयरी उद्योग में किया गया इस भ्रमण में एम.एस.सी.के विद्यार्थियों को डेयरी उत्पादन डेयरी उत्पादन के संचालन और प्रक्रियाओं से परिचित कराना था। विद्यार्थियों ने डेयरी उत्पादन में स्वच्छता एवं साफ-सफाई के महत्त्व को समझा और डेयरी उत्पादन में गुणवत्ता नियंत्रण उपायों और सुरक्षा मानकों के बारे में सीखा ।आधुनिक डेयरी फार्मिंग और प्रसंस्करण में प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त कर डेयरी फार्मिंग और प्रसंस्करण के आर्थिक पहलुओं को समझा। इस औद्योगिक भ्रमण की मुख्य समन्वयक श्रीमती मिसा मार्टिन के साथ विज्ञानं विभाग से डॉ.माधवी पांडे,डॉ. रूपल पुरेना,डॉ नमिता गजेंद्र,डॉ हितेश देवांगन,श्री लोकेश देवांगन,श्री तिजेश्वर लाल साहू,श्री लोकेश यादव,सुश्री रमा कुर्रे,सुश्री प्रतिभा चोके,सुश्री प्रतिमा साहू,सुश्री मिनाक्षी शुक्ला,डॉ. धनंजय टंडन ने भी औद्योगिक भ्रमण में डेयरी उत्पादन के संचालन और प्रक्रियाओं को जाना।

होली के रंग में रंगमय हुआ एस.आर.यू कैंपस... होली मिलन समारोह में सबने खेली होली

फागोत्सव में गुलाल से सुखी होली खेल दिया "जल बचाव" का संदेश

श्री रावतपुरा सरकार विश्विद्यालय प्रांगन में होली के उपलक्ष में "फागोत्सव" का भव्य आयोजन किया गया। फागोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन कर विश्विद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने होली के बॉलीवुड मिक्स जैसे, " रंग बरसे भीगे चुनर.., बलम पिचकारी.." गानों में नृत्य प्रशतुती दी। होली मिलन समारोह का प्रारंभ दीप प्रज्वलन एवं भगवन श्री गणेश की पूजा कर उन्हें गुलाल अर्पित कर किया गया और विश्विद्यालय के कुलाधिपति अनंतश्री विभूषित रविशंकर जी महाराज की मानशिक उपस्थति को अनुभूत करते हुए फागोत्सव का आगाज़ किया गया। उत्सव में मंचासीन विश्विद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, माननीय कुलपति प्रो. एस. के सिंह और चीफ पी.आर.ओ श्री राजेश तिवारी ने सभी विद्यार्थियों और स्टाफ को होली की

शुभकामनाएं देते हुए कहा की रंगों का यह त्योहार आप सभी के जीवन में इन्द्रधनुष में समाहित सात रंगों के तरह आपके जीवन में शिक्षा से समबन्धित आनेक उपलब्धियों के साथ आप सब हमेसा रंगमय रहे। फागोत्सव में विद्यार्थियों द्वारा नृत्य प्रस्तुति के पश्चात छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध गायिका किरण शर्मा, संतोष चंद्राकर और संतोष दिवाकर एवं उनकी वादयंत्र टीम ने होली त्योहार के मनमोहक गीतों से सभी विद्यार्थियों और स्टाफ को रंगमय कर दिया। सभी विद्यार्थियों ने एक-दुसरे को सूखा गुलाल लगा कर जल बचाव का सन्देश भी दिया। कार्यक्रम का संचालन विश्विद्यालय के भौतिक विभाग के डॉ.सागर साहू द्वारा बहुत ही रंगीले अंदाज़ में किया गया।

फ्रेसर और फैरवल पार्टी में न्यू छात्रों ने किया एन्जॉय और सीनियर्स हुए भावुक
सेल्फी लेकर सभी मोमेंट्स को सीनियर्स ने यादगार बनाया

श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ़ नर्सिंग, रायपुर में बी.एस.सी. नर्सिंग एवं जी.एन. एम के छात्रों के लिए सीनियर्स ने अपने जूनियर्स के लिए स्वागत हेतु और जूनियर्स ने अपने सीनियर्स के लिए फ्रेसर और फैरवल पार्टी का आयोजन किया। फ्रेसर की थीम "उभरते सितारे" और फैरवल की थीम "हमेसा मुस्कुराते रहो" पर सेलिब्रेशन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ .सौरभ कुमार शर्मा, कुलपति प्रो. एस. के. सिंह और उप कुलसचिव श्री मनोज कुमार सिंह ने सभी नए छात्र एवं शिक्षा प्राप्त कर सेवा की लये अग्रसर सीनियर छात्रों को बहुत शुभकामनाये देते हुए नर्सिंग वभाग के द्वारा संचालित शिक्षा और शिक्षण प्रणाली की भी सराहना की। कुलसचिव डॉ. शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रेरणा देते हुए कहा कि, "शिक्षा से तो मष्तिष्क का निर्माण होता है लेकिन दीक्षा प्राप्त कर दीक्षित होने से मन का विकास होता है और सभी नर्सिंग विद्यार्थियों को मेडिकल उपकरण के साथ रोगी की सेवा कर उसे पूर्णत: निरोग बनाने का भी कार्य सिखाया जाता है। चिकित्सालय में नर्सिंग स्टाफ फ्रंट फेस की तरह कार्यरत है।र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सिंह ने कहा की, "औषधि अपना कार्य करती है लेकिन उस औषधि के अच्छे प्रभाव हेतु सकारात्मक वातावारण भी आवश्यक होता है, इसलिए नर्सिंग स्टाफ की मुख्य जिमेदारी अपनत्व एवं का सकारात्मक वातावरण बनाये रखने की होती है।" सीनियर्स और जूनियर्स ने बहुत से गेम्स भी खेले जिसमे बलून सिग्नेचर, टिश्यू कटिंग पेपर , पेपर डांस, बलून ब्रस्तिंग में सभी ने बहुत एन्जॉय किया और बी.एस.सी. नर्सिंग की मिस फ्रेसर अंशिका और मिस्टर फ्रेसर सौरभ एवं जी.एन. एम के हर्षिता साहू मिस फैरवल और विक्रांत वर्मा ने मिस्टर फैरवल रहे। कार्यक्रम में नर्सिंग विभाग की प्रधानाचार्य अन्नपूर्णा साहू और सभी शिक्षक के साथ सीनियर्स - जूनियर्स ने सेल्फी लेकर सभी मोमेंट्स को यादगार बनाया और हुए भावुक। एस.आर.यू के प्रति- कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने सभी अंतिम वर्ष के छात्रों को उनके उज्जल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और नवीनतम छात्रों का स्वागत किया।

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम	**प्रो. एस. के. सिंह**	**डॉ. सौरभ कुमार शर्मा**
प्रति - कुलाधिपति	कुलपति	कुलसचिव
प्रधान संपादक	संपादक	ग्राफिक्स डिज़ाइन
राजेश तिवारी	**शुभम नामदेव**	**दिनेश कुमार सिन्हा**